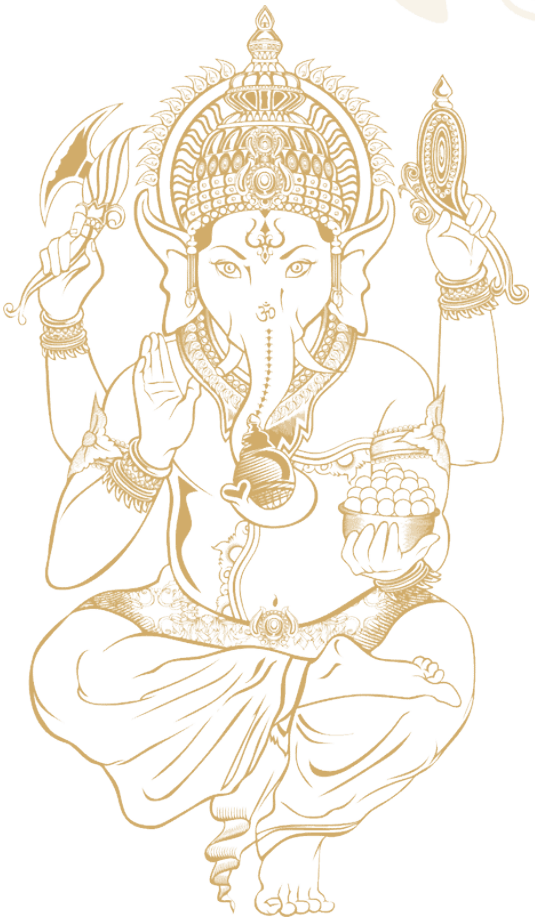

26 Oct 2025

02:47 AM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 121327303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25-26/10/2025**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:47:00 घंटे**
इष्ट	50:48:15 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:26:44 घंटे
वेलान्तर	00:15:58 घंटे
साम्पातिक काल	04:44:46 घंटे
सूर्योदय	06:27:42 घंटे
सूर्यास्त	17:40:46 घंटे
दिनमान	11:13:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:29:55 तुला
लग्न के अंश	19:14:57 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शोभन
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:14:57	316:02:16	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			तुला	08:29:55	00:59:50	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	26:01:57	11:54:06	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल			तुला	28:54:41	00:42:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			वृश्चि	01:52:55	01:09:25	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			कर्क	00:28:27	00:03:15	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	20:42:45	01:14:51	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मीन	01:52:54	00:03:14	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:00:49	00:07:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:00:49	00:07:02	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:17:04	00:02:08	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:42:09	00:01:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:10:53	00:00:20	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			वृष	18:25:52	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

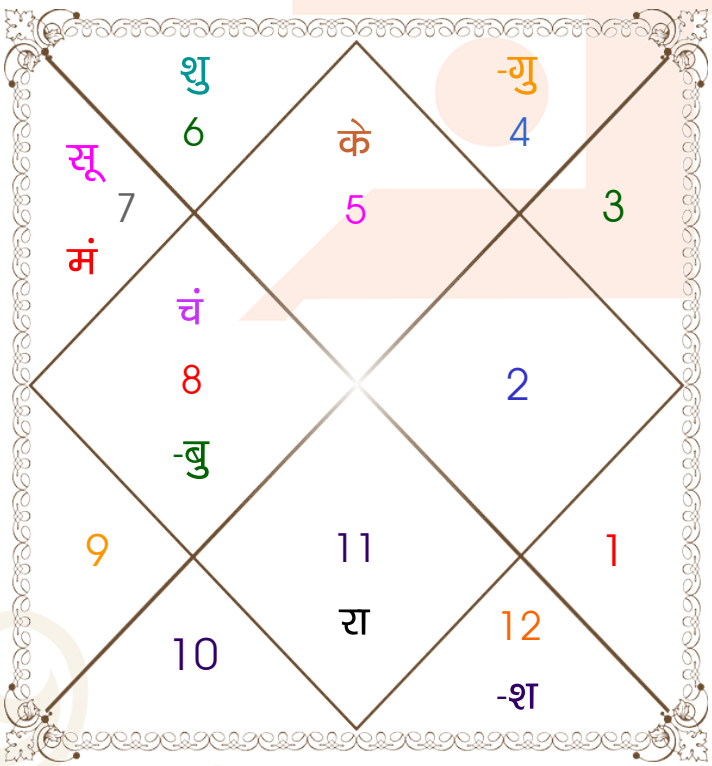

चन्द्र कुंडली

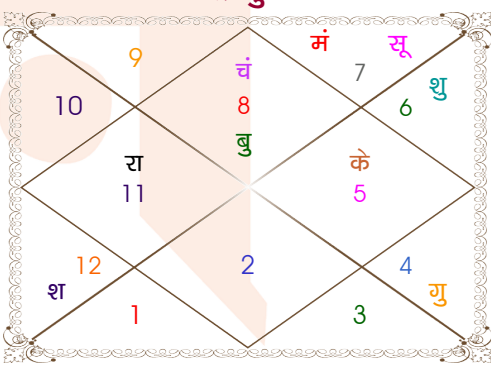

नवमांश कुंडली

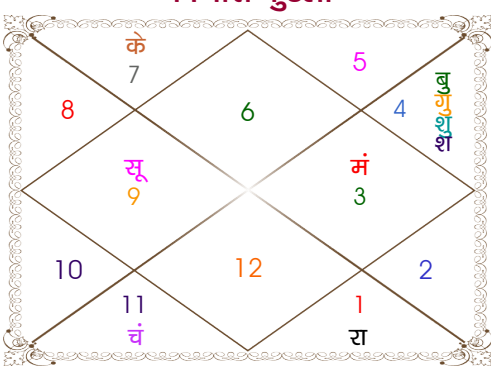

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 0 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/10/2025		16/11/2030		16/11/2037		16/11/2057		17/11/2063	
16/11/2030		16/11/2037		16/11/2057		17/11/2063		16/11/2073	
	00/00/0000	केतु	14/04/2031	शुक्र	18/03/2041	सूर्य	06/03/2058	चंद्र	16/09/2064
	00/00/0000	शुक्र	14/06/2032	सूर्य	18/03/2042	चंद्र	04/09/2058	मंगल	17/04/2065
	00/00/0000	सूर्य	19/10/2032	चंद्र	17/11/2043	मंगल	10/01/2059	राहु	17/10/2066
	00/00/0000	चंद्र	20/05/2033	मंगल	16/01/2045	राहु	05/12/2059	गुरु	16/02/2068
	00/00/0000	मंगल	17/10/2033	राहु	16/01/2048	गुरु	22/09/2060	शनि	16/09/2069
	26/10/2025	राहु	04/11/2034	गुरु	16/09/2050	शनि	04/09/2061	बुध	16/02/2071
राहु	01/12/2025	गुरु	11/10/2035	शनि	16/11/2053	बुध	11/07/2062	केतु	17/09/2071
गुरु	08/03/2028	शनि	19/11/2036	बुध	16/09/2056	केतु	16/11/2062	शुक्र	17/05/2073
शनि	16/11/2030	बुध	16/11/2037	केतु	16/11/2057	शुक्र	17/11/2063	सूर्य	16/11/2073

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/11/2073		16/11/2080		16/11/2098		17/11/2114		17/11/2133	
16/11/2080		16/11/2098		17/11/2114		17/11/2133		00/00/0000	
मंगल	14/04/2074	राहु	30/07/2083	गुरु	04/01/2101	शनि	20/11/2117	बुध	15/04/2136
राहु	03/05/2075	गुरु	23/12/2085	शनि	19/07/2103	बुध	30/07/2120	केतु	12/04/2137
गुरु	08/04/2076	शनि	29/10/2088	बुध	24/10/2105	केतु	08/09/2121	शुक्र	11/02/2140
शनि	17/05/2077	बुध	18/05/2091	केतु	30/09/2106	शुक्र	08/11/2124	सूर्य	17/12/2140
बुध	15/05/2078	केतु	04/06/2092	शुक्र	31/05/2109	सूर्य	21/10/2125	चंद्र	19/05/2142
केतु	11/10/2078	शुक्र	05/06/2095	सूर्य	19/03/2110	चंद्र	22/05/2127	मंगल	16/05/2143
शुक्र	11/12/2079	सूर्य	29/04/2096	चंद्र	19/07/2111	मंगल	30/06/2128	राहु	27/10/2145
सूर्य	17/04/2080	चंद्र	29/10/2097	मंगल	24/06/2112	राहु	07/05/2131		00/00/0000
चंद्र	16/11/2080	मंगल	16/11/2098	राहु	17/11/2114	गुरु	17/11/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 0 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।